

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया में एजुकेशन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (JICE-2022) शुरू

जामिया मिल्लिया इस्लामिया में तीन दिवसीय जामिया अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन (JICE-2022) आज से शुरू हुआ। 8 मई, 2022 तक चलने वाले इस सम्मेलन का आयोजन शिक्षक प्रशिक्षण और गैर-औपचारिक शिक्षा विभाग (DTT & NFE, IASE), जामिया द्वारा किया जा रहा है। सम्मेलन का विषय 'आउटकम बेस्ड करिकुलम एंड पेडागोजिकल डिमांड्स इन द पोस्ट-कोविड' है।

सम्मेलन का उद्घाटन समारोह आज इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संकाय, जेएमआई के सभागार में आयोजित किया गया था और इसमें जामिया की कुलपति एवं सम्मेलन की मुख्य संरक्षक प्रो नजमा अख्तर ने शिरकत की।

सम्मेलन के आयोजन सचिव प्रो. जसीम अहमद ने बताया कि लगभग 500 प्रतिभागी WEBEX प्लेटफॉर्म पर ऑनलाइन शामिल हुए थे और 200 से अधिक प्रतिभागियों ने ऑफलाइन मोड में उद्घाटन सत्र में भाग लिया था।

प्रो. के.आर.एस. संबाशिव राव, कुलपति, मिजोरम विश्वविद्यालय, मुख्य अतिथि के रूप में उद्घाटन में शामिल हुए। उन्होंने एनईपी 2020 में निर्धारित कौशल आधारित शिक्षा पर जोर दिया।

मुख्य वक्तव्य प्रो.संतोष पांडा, निदेशक-स्ट्राइड, इग्रू और पूर्व अध्यक्ष, एनसीटीई द्वारा दिया गया। उन्होंने एनईपी 2020 की विभिन्न विशेषताओं पर जोर दिया और समझाया कि इसका परिणाम राष्ट्र की प्रगति में क्या होगा।

प्रो. नजमा अख्तर ने अपनी समापन टिप्पणी में सभी को अपने व्यस्त कार्यक्रम से समय निकालने के लिए धन्यवाद दिया और अनुभवात्मक शिक्षा के माध्यम से भारत को बदलने और इस तरह एक एंटरटेनिंग लर्निंग का माहौल बनाने के लिए एनईपी 2020 की आवश्यकता के बारे में बात की।

प्रो. नाहीद जहूर, विभागाध्यक्ष, डीटीटी और एनएफई (आईएसई) द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया जिसमें उन्होंने सभी के द्वारा दिए गए समर्थन का आभार व्यक्त किया। उद्घाटन सत्र का समापन सभी अतिथियों के लिए हाई टी के साथ हुआ।

सम्मेलन का उद्देश्य दुनिया भर में अध्यापक शिक्षा में काम कर रहे बुद्धिजीवियों और शोधकर्ताओं को अध्यापक शिक्षा पाठ्यक्रम, शिक्षाशास्त्र, मूल्यांकन और उभरती संभावनाओं, चिंताओं, मुद्दों और चुनौतियों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा और विचार-विमर्श करने के लिए आमंत्रित करना है। इस सम्मेलन का उद्देश्य परिणाम-आधारित पाठ्यक्रम और शैक्षणिक और मूल्यांकन उपकरणों में आवश्यक परिवर्तनों की कल्पना करना है, जो कि कोविड के बाद के युग में ईमानदार, सक्षम, कुशल और मानवीय शिक्षकों को तैयार करने के लिए आवश्यक होंगे, जो कि महामारी के दो साल के अंतराल के बाद जीवन के सभी क्षेत्रों में बड़े बदलावों के साथ एक नई सामाजिक व्यवस्था को महसूस किया, महसूस किया और भविष्यवाणी की।

सम्मेलन में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्रू), जेएमआई, जेएनयू, एएमयू, कश्मीर केंद्रीय विश्वविद्यालय, मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय (एमएएनयूयू), दिल्ली विश्वविद्यालय, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, इलिनोइस विश्वविद्यालय संयुक्त राज्य अमेरिका सहित विभिन्न विश्वविद्यालयों के 200 से अधिक पेपर प्रस्तुतकर्ता शामिल होने की उम्मीद है।

सम्मेलन कई विविध विषयों पर पेपर प्रस्तुत किए जाएंगे जैसे कि समावेशी शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा, प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा और कई अन्य विषय इस कार्यक्रम को शिक्षक प्रशिक्षण और अनुसंधान के क्षेत्र के लिए अत्यधिक संवादात्मक और प्रासंगिक बनाते हैं। सम्मेलन और कार्यक्रम के बारे में अधिक जानकारी www.jmi.ac.in पर प्राप्त की जा सकती है।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिलिया इस्लामिया